उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

प्रभु यीशु मसीह ने अपनी शिक्षा में हमें बताया कि उनके पुनः आगमन से पहले कुछ विशेष चिन्ह होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूकंप, युद्ध, महामारियाँ, झूठे भविष्यद्वक्ता और सामाजिक उथल-पुथल जैसे चिन्ह इस बात के संकेत होंगे कि उनका आगमन निकट है।

मत्ती 24:3–8 (ERV-HI) में शिष्य उनसे पूछते हैं:

“हमें बताओ, ये बातें कब होंगी? और तेरे आगमन और इस युग के अन्त का चिह्न क्या होगा?”
यीशु ने उत्तर दिया: “तुम युद्धों और युद्धों की अफवाहें सुनोगे… अकाल पड़ेंगे, भयंकर रोग फैलेंगे, और भूकम्प होंगे… परन्तु ये सब पीड़ाओं की शुरुआत भर हैं।”

प्रभु यीशु ने यह तो बताया कि ये सब संकेत होंगे, परंतु उन्होंने कभी यह नहीं बताया कि वह किस दिन लौटेंगे। यह दिन और घड़ी आज भी एक रहस्य है। यही कारण है कि बहुत से विश्वासियों को यह समझना कठिन लगता है। वे इन संकेतों को तो देख रहे हैं, पर वे उस एक स्पष्ट दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जब प्रभु का आगमन होगा।

नूह के दिनों की तरह – मसीह के आगमन का चित्र

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

प्रभु यीशु ने अपने आगमन की तुलना नूह के दिनों से की। उस समय लोग परमेश्वर की चेतावनी को अनदेखा कर रहे थे।

मत्ती 24:37–39 (ERV-HI) में प्रभु कहते हैं:

“जिस तरह नूह के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के
आगमन के समय होगा। क्योंकि जैसे लोग जलप्रलय के पहले के दिनों में खाते-पीते, विवाह करते थे… और उन्हें कुछ पता नहीं था, जब तक कि जलप्रलय आकर उन्हें सबको बहा न ले गया – वैसा ही मनुष्य के पुत्र
के आने के समय होगा।”

नूह के समय में लोग साधारण जीवन जी रहे थे – खाते-पीते, विवाह कर रहे थे
– और उन्हें यह बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि परमेश्वर का न्याय दरवाजे पर खड़ा है। उसी प्रकार, जब मसीह पुनः आएंगे, तो अधिकांश लोग पूरी तरह अचंभित रह जाएंगे।

इसलिए प्रभु यीशु हमें सावधान करते हुए कहते हैं:

मत्ती 24:42–44 (ERV-HI):

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“इसलिए जागते रहो! क्योंकि तुम यह नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु
किस दिन आएगा।… इसलिये तुम भी तैयार रहो! क्योंकि जिस घड़ी की तुम
आशा नहीं करते, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आएगा।”

यह एक गम्भीर चेतावनी है – कि हम आत्मिक रूप से जागरूक और तैयार रहें।

विश्वासयोग्य दास का दृष्टांत

इसके बाद यीशु एक दृष्टांत सुनाते हैं जो हमें सेवा और तैयारी का महत्व समझाता है।

मत्ती 24:45–47 (Hindi O.V.):

“तो वह विश्वासयोग्य और समझदार दास कौन है, जिसे उसके स्वामी ने अपने नौकरों पर अधिकारी ठहराया है कि वह उन्हें ठीक समय पर भोजन दे? धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी उसके आने पर ऐसा करते पाएगा। मैं तुमसे सच कहता हूँ, कि वह उसे अपने सब सामर्थ्य का अधिकारी बना देगा।”

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यह दृष्टांत हमें सिखाता है कि परमेश्वर को वही प्रिय हैं जो अपने दायित्व में निष्ठावान हैं। जो प्रभु के आगमन तक दूसरों की सेवा करते हैं और आत्मिक रूप से जागरूक रहते हैं।

उठा लिए जाने की घटना की अचानकता

प्रेरित पौलुस लिखते हैं:

1 थिस्सलुनीकियों 5:2–3 (ERV-HI):

“तुम स्वयं अच्छी तरह जानते हो कि प्रभु का दिन ऐसा आएगा जैसे रात में चोर आता है। जब लोग कहेंगे, ‘सब कुछ शांति और सुरक्षा में है’, तभी अचानक उनके ऊपर विनाश आ पड़ेगा, जैसे गर्भवती स्त्री पर पीड़ा आती है, और वे किसी तरह नहीं बच पाएंगे।”

उठा लिए जाने की घटना अचानक और बिना चेतावनी के होगी। लोग अपनी योजनाओं, कामकाज और जीवन की सामान्यताओं में व्यस्त होंगे, और तभी यह महान घटना घटित हो जाएगी।

मत्ती 24:40–41 (ERV-HI) में लिखा है:

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“दो आदमी खेत में होंगे; एक लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दिया जाएगा।
दो स्त्रियाँ चक्की पीस रही होंगी; एक ली जाएगी और दूसरी छोड़ दी जाएगी।”

यह हमें दिखाता है कि यह घटना व्यक्तिगत और चुनावपरक होगी। जो तैयार हैं – वे प्रभु के साथ उठाए जाएंगे। जो नहीं तैयार हैं – वे पीछे छोड़ दिए जाएंगे।

पीछे छूट जाने वालों का पश्चाताप

उन्हें जो पीछे छूट जाएंगे, गहरा पछतावा होगा। यीशु मसीह ने दस कुँवारी लड़कियों का दृष्टांत दिया:

मत्ती 25:11–12 (ERV-HI):

“बाद में बाकी कुँवारियाँ भी आईं और कहने लगीं, ‘हे स्वामी, हमारे लिए द्वार खोल दे!’ परन्तु उसने उत्तर दिया, ‘मैं तुमसे सच कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता।'”

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

यह उन लोगों का चित्र है जो बाहरी रूप से तो धार्मिक हैं, पर आत्मिक रूप से तैयार नहीं हैं। जब अवसर निकल जाएगा, तो दरवाज़ा बंद हो जाएगा – और तब पछतावा करने का कोई लाभ नहीं होगा।

लूका 13:25–28 (Hindi O.V.) में यीशु कहते हैं:

“जब घर का मालिक उठकर दरवाज़ा बंद कर देगा, और तुम बाहर खड़े रहकर दस्तक देकर कहोगे, ‘हे स्वामी, हमारे लिये द्वार खोल दे!’ – तब वह
उत्तर देगा, ‘मैं तुम्हें नहीं जानता, तुम कहाँ से हो?’ तब तुम
कहोगे, ‘हमने तो तेरे साथ खाया-पीया है, और तूने हमारे बाजारों में सिखाया है।’ तब वह कहेगा, ‘मैं तुमसे कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता, तुम कहाँ से हो? सब अन्यायी कर्म करनेवालो, मुझसे दूर हो
जाओ!'”

अब भी अवसर है – लेकिन समय बहुत थोड़ा है।

मन फिराओ – अभी

अब भी प्रभु यीशु पापियों को बुला रहे हैं। वह चाहता है कि कोई भी नाश न हो, परंतु सब पश्चाताप करें।

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

2 पतरस 3:9 (ERV-HI):

“प्रभु अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने में देर नहीं कर रहा है जैसा कि
कुछ लोग सोचते हैं। बल्कि वह तुम्हारे लिए धैर्य रखता है। वह नहीं चाहता कि कोई भी नाश हो, परंतु सब पश्चाताप करें।”

यदि आपने अब तक प्रभु यीशु को अपना जीवन नहीं सौंपा है – तो आज ही वह दिन है! आज ही पाप से फिरो, प्रभु को पुकारो, और विश्वास के द्वारा उद्धार प्राप्त करो।

निष्कर्ष: तैयार रहो – क्योंकि प्रभु शीघ्र आनेवाला है

हम उन अंतिम घड़ियों में हैं। परमेश्वर की कृपा से अब भी समय है आत्मिक तैयारी करने का। यह संसार के लिए एक सामान्य दिन होगा – पर परमेश्वर के लोगों के लिए, यह उद्धार का दिन होगा।

क्या तुम तैयार हो?

शालोम।

Share on:
WhatsApp

उठा लिए जाने की घटना: एक अचानक और अनपेक्षित क्षण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

Print this post